

- भारत एक पूंजी की कमी वाला देश है इसलिये इसके विकास हेतु वदेशी पूंजी की आवश्यकता है। यदि इसके व्यापार का एक बड़ा हिस्सा रुपए में होगा तो अनविशयियों के पास भारतीय रुपए की शेष राशा होगी जिसका उपयोग भारतीय संपत्ति हासल करने के लिये किया जाएगा। ऐसी वित्तीय आसतयियों की बड़ी होल्डिंग बाहरी जोखमियों के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ा सकती है, जिसके प्रबंधन के लिये अधिक प्रभावी नीतगत साधनों की आवश्यकता होगी।
- बाहरी लेन-देन में परवर्तनीय मुद्राओं की कम भूमिका से आरक्षण नधि में कमी आ सकती है। हालाँकि भंडार की आवश्यकता भी उस सीमा तक कम हो जाएगी जिस सीमा तक व्यापार घाटे को रुपए में वतितपोषति किया जाता है।
- रुपए की अनविशयी होल्डिंग घरेलू वित्तीय बाजारों में बाहरी प्रोत्साहन के पास-थरू को बढ़ा सकती है, जिससे अस्थरिता बढ़ सकती है। उदाहरण के लिये वैश्विक रूप से कम जोखमि अनविशयियों को अपनी रुपए होल्डिंग्स को परवर्तति करने और भारत से बाहर भेजने के लिये प्रेरति कर सकता है।

रुपए के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिये उठाए गए कदम:

- जुलाई 2022 में RBI ने रुपए में अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रोत्साहन प्रणाली शुरु की।
- रुपए में बाह्य वाणजियकि उधार की सुविधा प्रदान करना (वशेषकर मसाला बांड के संदर्भ में)।
- एशियाई क्लीयरिंग यूनियन, सेटलमेंट के लिये घरेलू मुद्राओं का उपयोग करने की एक योजना के लिये प्रयासरत है। यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें द्वपिकषीय या व्यापारिक संदर्भ में प्रत्येक देश के आयातकों को घरेलू मुद्रा में भुगतान करने का विकल्प होता है, सभी देशों के इसके पक्ष में होने की संभावना के चलते यह महत्त्वपूर्ण है।

आगे की राह

- रुपए में भुगतान की हालिया पहल एक अलग वैश्विक आवश्यकता और व्यवस्था से संबंधति है लेकिन वास्तविक अंतरराष्ट्रीयकरण तथा वदेशों में रुपए के व्यापक उपयोग के लिये केवल रुपए में व्यापार समझौता करना पर्याप्त नहीं होगा। भारत व वदेशी बाजारों दोनों में वभिन्नवित्तीय साधनों के संदर्भ में रुपए के और उदारीकृत भुगतान एवं नपिटान को अपनाना अधिक महत्त्वपूर्ण है।
- रुपए के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिये एक कुशल स्वैप बाजार और एक मज़बूत वदेशी मुद्रा बाजार की भी आवश्यकता हो सकती है।
- समग्र आर्थिक बुनयादी आयामों में सुधार और वित्तीय क्षेत्र की मज़बूती के साथ सॉवरेन रेटिंग में वृद्धिसे भी रुपए की स्वीकार्यता को मज़बूती मलिंगी जिससे इस मुद्रा के अंतरराष्ट्रीयकरण को बढ़ावा मलिंगा।

वगत वर्षों के प्रश्न

प्र. रुपए की परवर्तनीयता से क्या तात्पर्य है? (2015)

- रुपए के नोटों के बदले सोना प्राप्त करना
- रुपए के मूल्य को बाजार की शक्तयियों द्वारा नरिधारति होने देना
- रुपए को अन्य मुद्राओं में और अन्य मुद्राओं को रुपए में परवर्तति करने की स्वतंत्र रूप से अनुज्जा प्रदान करना
- भारत में मुद्राओं के लिये अंतरराष्ट्रीय बाजार विकसति करना

उत्तर: (c)

प्र. भुगतान संतुलन के संदर्भ में नमिनलखिति में से किससे/कनसे चालू खाता बनता है? (2014)

- व्यापार संतुलन
- वदेशी परसिपत्तयियों
- अदृश्यों का संतुलन
- वशेष आहरण अधिकार

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- केवल 1
- केवल 2 और 3
- केवल 1 और 3
- केवल 1, 2 और 4

उत्तर: (c)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

